कोटा में 29 लाख का डोडा-चूरा जब्त, दो तस्कर गिरफ्तार

पकड़े गये दोनों तस्करों से मादक पदार्थ के बारे में पूछताछ जारी

कोटा, (निसं)। अवैध नशे की तस्करी के खिलाफ कोटा ग्रामीण पुलिस की ओर से चलाये जा रहे अभियान ऑपरेशन रूट क्लियरेंस के तहत कोटा ग्रामीण की मंडाना पुलिस टीम ने नाकाबंदी के दौरान एक मिनी ट्रक की तलाशी ली तो मिनी ट्रक की बॉडी में एक गुप्त बॉक्स में से अवैध मादक पदार्थ 193.120 किलोग्राम डोडा-चूरा बरामद किया। पुलिस टीम

- मिनी ट्रक के गुप्त बॉक्स में छिपाकर रख हुआ था डोडा-चूरा

द्वारा पकड़े गये मादक पदार्थ की अन्तर्राष्ट्रीय कीमत करीब 29 लाख रूपये बताई गई है।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि अभियान के तहत् मंडाना थानाधिकारी वासुदेव ने मय जाब्ता इलाके के काल्याखेड़ी के सामने नाकाबंदी कर वाहनों की चैकिंग की। नाकाबंदी के दौरान झालावाड़ की ओर से आ रहे एक आईसर ट्रक को रोककर उसकी तलाशी ली गई तो ट्रक की बॉडी में एक गुप्त बॉक्स मिला जिसकी जांच में पुलिस टीम को 193.120 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडा-चूरा बरामद हुआ, बरामद अवैध मादक पदार्थ की अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 29 लाख रूपये है। पुलिस टीम ने मौके पर एनडीपीएस एक्ट में कार्रवाई करते हुए जिला लुधियाना पंजाब के शेरपुर बस्ती निवासी कुलविन्दर सिंह (35) एवं जिला फतेहगढ़ पंजाब के अमराला निवासी गुरजन्ट सिंह (29) को गिरफ्तार किया है, पकड़े गये दोनों तस्करों से मादक पदार्थ के बारे में अनुसंधान किया जा रहा है।

मंडाना पुलिस टीम ने 193 किलो डोडा-चूरा व मिनी ट्रक को जब्त किया।

युवक पर फायरिंग, तीन गिरफ्तार

भरतपुर, (निसं)। शहर में बदमाशों के हौसले बुलंद नजर आ रहे हैं। जहां पहले एक युवक के साथ होटल में मारपीट की गई और फिर रिपोर्ट दर्ज कराने जाते समय थाने के पास ही उस पर फायरिंग कर दी। मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

एएसपी सिटी पंकज यादव ने बताया कि परिवादी सुमित पुत्र अमर सिंह निवासी चर्च के पास, गोपालगढ़ ने लिखित शिकायत देकर जान-माल की सुरक्षा की गुहार लगाई थी। परिवादी के अनुसार, वह 14 फरवरी की रात अपने दोस्तों के जन्मदिन समारोह में सारस चौराहे स्थित सन स्टार होटल गया हुआ था। इसी दौरान अज्जू ठाकुर, जीतू सहजवानी और कौशल शर्मा ने उसके साथ मारपीट की और उसे धमकाते हुए पिस्टल तान दी।

पीड़ित जब घटना की रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए थाना मथुरा गेट थाने जा रहा था, तभी थाने के पास बिजलीघर चौराहे के नजदीक आरोपियों ने उस पर फायरिंग कर दी। गनीमत रही कि युवक बाल-बाल बच गया। घटना की सूचना मिलते ही थाना मथुरा गेट पुलिस और डीएसटी टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए तीनों नामजद आरोपियों अज्जू ठाकुर, जीतू सहजवानी और कौशल शर्मा को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक देशी पिस्टल और 5 जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ जारी है और उनके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

दिल्ली-मुम्बई एक्सप्रेस-वे से सुरक्षा उपकरण चोरी का पर्दाफाश

कोटा, (निसं)। ग्रामीण इलाके की बुढ़ादीत पुलिस टीम ने 8 लेन भारतमाला दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर हो रही चोरीयों का पर्दाफाश करते हुए तीन आरोपियों को गिरफतार किया है। पुलिस टीम ने पकड़े गये आरोपियों के पास से लाखों रुपए के चोरी किये गये उपकरण बरामद किए हैं। ये उपकरण एक्सप्रेसवे की मॉनिटरिंग और सुरक्षा के लिये लगाए गए थे। पुलिस ने बरामद किये गये उपकरणों में सोलर प्लेट तीन बड़ी व एक छोटी, एक टुटा हुआ सीसीटीवी कैमरा, बैटरी, केबल, इनवर्टर व अन्य सामान शामिल है।

- तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया, लाखों रुपए के उपकरण बरामद

ग्रामीण एसपी सुजीत शंकर ने बताया कि 12 फरवरी को एक्सप्रेस-वे के प्रतिनिधि मुकेश कुमार मेघवाल ने बूढ़ादीत थाने में रिपोर्ट दी। रिपोर्ट में कहा कि दिल्ली-मुम्बई एक्सप्रेस-वे हाइवे पर से चैनेज 348 प्लस 650 पर लगे तीन बड़ी व दो छोटी सोलर प्लेटें चोरी हो गई है, रिपोर्ट में कहा कि इसके साथ ही इलैक्टिक केबिल, कैमरे, बैटरियां इन्वेटर इत्यादि सामान चोरी हो गया है।

ग्रामीण एसपी ने बताया कि रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज किया। मामले का खुलासा करने के लिये बुढ़ादीत थानाधिकारी दीप्ती रानी के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। टीम ने मुखबीर की सूचना, तकनीकी आधार पर लाखसनीजा निवासी गुड्डी श्याम (42), कोटड़ापुरा निवासी कृष्ण मुरारी (30) और लक्ष्मण गुर्जर (25) को कोटड़ापुरा 8 लाइन के पास से डिटेन कर पूछताछ के बाद प्रकरण में गिरफ्तार किया, पकड़े गये आरोपियों से अनुसंधान जारी है।

ग्रामीण एसपी ने बताया कि पकड़े गये आरोपियों के कब्जे से चोरी की गई सुरक्षा दीवार के सिमेंट पट्टी व पिल्लर के 55 नग, जिओ टैक्सटाईल के 4 नग, बैटरी पैक, येलो स्टार के 2 नग, सोलर का 1 नग, जियो सेल के 4 बंडल, सोलर प्लेट 3 बडी व 1 छोटी, कैक्टोमीटर बोर्ड, नीले ड्रम के 2 नग, इलेक्टिक वायर के 4 बंडल सहित अन्य उपकरण बरामद हुए जिनकी अनुमानित कीमत करीब 5 लाख रूपये है। ग्रामीण एसपी ने बताया कि इनके ग्रुप में तीन से चार चोर शामिल हैं, दो व्यक्ति दिन में रैकी करते थे जिसके बाद इनके इनपुट पर रात में चोरी के लिए पूरी गैंग जाती थी। इनमें एक व्यक्ति साइड में खड़ा होकर आने वाले वाहनों पर नजर रखता था, जबकि शेष चोरी करते थे।

पवन ऊर्जा कार्मिकों व गार्ड से मारपीट

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर शहर के निकटवर्ती मेवासा गांव में पवन ऊर्जा संयंत्र पर काम करने वाले कर्मचारियों, गार्ड आदि को बंधक बनाकर मारपीट की गई। मामला महिने भर पहले का है और अब पुलिस में केस दर्ज कराया गया है। अज्ञात शख्स के खिलाफ पुलिस जांच में जुटी है।

- मामला महिने भर पहले का, अब केस दर्ज कराया गया है

करवड़ पुलिस ने बताया कि सुजलोन पवन ऊर्जा कं पनी बैगडिया में लगे गार्ड सुपरवाइजर मदन सिंह पुत्र तेज सिंह ने मामला दर्ज कराया गया। इसमें बताया कि मेवासा गांव में पवन ऊर्जा संयंत्र लगा हुआ है। जहां पर सुरक्षा गार्ड, बॉर्डर गार्ड कार्यरत है। गत 15 जनवरी को कुछ लोग आए और सभी को बंधक बनाकर मारपीट की। पवन ऊर्जा संयंत्र को काफी नुकसान पहुंचाया गया। पीड़ित के साथ भी इस दौरान मारपीट कर बंधक बनाया गया। करवड़ पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर अज्ञात शख्स के खिलाफ जांच आरंभ की है।

अजमेर में परिवहन विभाग की कार्रवाई के खिलाफ बस संचालकों का प्रदर्शन

सीज बसों को छुड़ाने और लगातार चालान कार्रवाई पर रोक लगाने की मांग

अजमेर, (कासं)। निजी बस संचालकों ने सोमवार को जिला कलैक्ट्रेट पर विरोध-प्रदर्शन किया। बस ऑपरेटर यूनियन अजमेर के बैनर तले एकत्रित हुए बस मालिकों और संचालकों ने परिवहन विभाग की कार्रवाई के खिलाफ नाराजगी जताई। प्रदर्शन के दौरान बस संचालकों ने प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपनी मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा।

- प्रदर्शन के बाद बस संचालकों ने जिला कलैक्टर को ज्ञापन सौंपा

विनोद नकवानी ने बताया कि बस संचालकों का कहना है कि राजस्थान परिवहन विभाग द्वारा आए दिन निजी बसों के चालान काटे जा रहे हैं। इसके अलावा कई बसों को विभिन्न कारणों से सीज भी किया गया है। संचालकों का आरोप है कि विभागीय कार्रवाई से उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है और उनका व्यवसाय प्रभावित हो रहा है। बस मालिकों ने बताया कि लगातार हो रही चालान की कार्रवाई के कारण न केवल उनकी आय पर असर पड़ रहा है, बल्कि यात्रियों को भी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। प्रदर्शन के बाद बस संचालकों ने जिला कलैक्टर कार्यालय पहुंचकर मुख्यमंत्री के नाम जिला कलैक्टर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में उन्होंने मांग की कि बसों पर की जा रही सख्त कार्रवाई को रोका जाए और जिन बसों को सीज किया गया है, उन्हें छोड़ा जाए। संचालकों ने कहा कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो वे आगे और उग्र आंदोलन करने को मजबूर होंगे। बस ऑपरेटरों का कहना है कि वे नियमों के तहत ही संचालन कर रहे हैं, लेकिन छोटी-छोटी तकनीकी कमियों को आधार बनाकर भारी जुर्माना लगाया जा रहा है।

भीलवाड़ा में जेसीबी से वर्षों से जमे अवैध अतिक्रमण हटाये

भीलवाड़ा, (निसं)। नगर निगम में निर्वाचित बोर्ड का कार्यकाल समाप्त होते ही शहर की फिजा बदलने लगी है। प्रशासन ने अब शहर को अतिक्रमण मुक्त करने के लिए पूरी तरह कमर कस ली है, जिसका असर सोमवार को सड़कों पर साफ नजर आया। जिला कलैक्टर एवं निगम प्रशासक जसमीत सिंह संधू के पदभार संभालते ही अतिक्रमणकारियों पर शिकंजा कसना शुरू हो गया है।

सोमवार को निगम का दस्ता जब सूचना केंद्र पहुंचा, तो वहां हड़कंप मच गया। सूचना केंद्र से लेकर भोपाल क्लब तक निगम की जेसीबी (पीला पंजा) ने वर्षों से जमे अवैध कब्जों को हटा दिया। सड़क किनारे राहगीरों के लिए मुसीबत बने लोहे के बक्से, कोठियां और अवैध पेटियों को जेसीबी ने देखते ही देखते मलबे और कबाड़ में तब्दील कर दिया। निगम की इस सख्ती को देखकर फ्रेंड्स मेडिकल से लेकर भोपाल क्लब तक के दुकानदारों में डर बैठ गया और उन्होंने आनन-फानन में अपने अवैध टीन-टप्पर और बाहर निकला सामान खुद ही हटाना शुरू कर दिया। इससे पूर्व, प्रधान डाकघर के पास नालियों पर किए गए पक्के निर्माणों को ध्वस्त कर पूरा चौक खाली कराया गया। इस अभियान की सबसे बड़ी सफलता आजाद चौक में देखने को मिली है। जिस चौक में पहले दुपहिया वाहन निकलना भी दूभर था, वहां अब कारें आसानी से गुजर रही हैं। सड़क के दोनों ओर लगने वाले हाथ-ठेलों को पूरी तरह हटा दिया गया है, जिससे मार्ग अब काफी चौड़ा और व्यवस्थित नजर आ रहा है। शहर में हो रही इस त्वरित कार्रवाई को लेकर आमजन में तरह-तरह की चर्चाएं हैं।

स्थानीय नागरिकों ने पांच साल तक सत्ता में रहे जनप्रतिनिधियों पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने केवल दिखावे की कार्रवाई की, जिससे शहर की सुंदरता खराब होती रही। लोगों का कहना है कि जिन्हें व्यवस्था सुधारने के लिए चुना गया था, उन्होंने अपनी जिम्मेदारी ठीक से नहीं निभाई, जबकि प्रशासक के आते ही सफाई और अतिक्रमण हटाओ अभियान की गति काबिले तारीफ है। अतिक्रमण निरोधक दस्ते के प्रभारी संजय खोखर और जोरावर सिंह अपनी टीम के साथ मौके पर मुस्तैद हैं। निगम सूत्रों के अनुसार, सूचना केंद्र सर्किल के पास फुटपाथ पर दुकान सजाने वालों को अंतिम चेतावनी दे दी गई है। किसी भी समय वहां फिर से जेसीबी की गर्जना सुनाई दे सकती है।

कच्चे घर में लगी आग से लाखों रुपये का सामान जला

दौसा, (निसं)। सदर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत जौपाड़ा के खारवालों की ढाणी में एक छप्परपोश घर में आग लग गई। आग से घर में रखा लाखों रुपए का घरेलू सामान जलकर राख हो गया।

ग्रामीणों ने बताया कि रात को भोमाराम खारवाल पुत्र कजोड़मल खारवाल के कच्चे घर अज्ञात कारणों से आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। आग की लपटें इतनी भयंकर थी कि आसपास के घरों तक पहुंच रही थी। घर में सो रही भोमाराम की पत्नी छोटी देवी व पुत्री रसना ने घर से निकलकर अपनी जान बचाई। ग्रामीणों ने आग की लपटें उठती देख गांव के लोग मौके पर पहुंचे। करीब तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। ग्रामीणों ने इसकी सूचना ग्राम पंचायत के जन प्रतिनिधियों व अधिकारियों व हल्का पटवारी व सदर थाना पुलिस को दी। सुबह मौके पर पहुंचे प्रशासक प्रयाग कंवर व हल्का पटवारी दिपांशु सैनी ने मौका स्थिति का जायजा लिया और रिपोर्ट तैयार की। प्रशासक प्रयाग कंवर ने बताया कि पीड़ित भोमाराम खारवाल के कच्चे घर में रखा 5 बोरी अनाज, 50 मन चारा, कपड़े, दैनिक उपयोग का सामान,10 किलो घी और 50 हजार रूपये नगदी सहित घर में रखा घरेलू सामान जल कर राख हो गया।

ग्रामीणों ने बताया कि भोमाराम खारवाल की आर्थिक स्थिति बहुत ही दयनीय है। उसके पास रहने के लिए यही कच्चा मकान था। जिसके जल जाने के बाद खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हो गया है। ग्रामीणों ने प्रशासन से आग से हुई क्षति की भरपाई के लिए त्वरित आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है। ग्रामीणों ने भी पीड़ित परिवार की मदद की अपील की है। हल्का पटवारी दिपांशु सैनी ने बताया है कि खसरा नम्बर 297 खातेदार भूमि मे कच्चा घर में रहता था उपस्थित लोगों ने बताया कि रात को अज्ञात कारणों से पूरे छप्परपोश में आग लगने से लाखों रुपए का नुकसान हो गया।

आग लगने से घर का सारा सामान जल गया।

श्रीगंगानगर : पत्नी ने बॉयफ्रेंड से करवाई थी पति की हत्या, दोनों गिरफ्तार

श्रीगंगानगर, (निसं)। यहां पत्नी ने प्रेमी से पति की हत्या करवाई थी। प्रेमी ने युवक को रास्ते में रोककर उसके सिर पर लाठियों से हमला किया था। फिर रस्सी से गला घोंट दिया। इसके बाद भी वह नहीं मरा तो ईंट से सिर फोड़ दिया। इस दौरान पत्नी मोबाइल फोन पर अपने प्रेमी के लगातार संपर्क में थी। हत्या के बाद शव और बाइक को 15 किलोमीटर दूर इंदिरा गांधी नहर में फेंक दिया। पुलिस को दो फरवरी को फलोदी क्षेत्र में नहर में गांव 4 जेडडब्ल्यूएम निवासी भजनलाल (32) का शव मिला था। भजनलाल के पिता ने कृष्ण लाल ने दो फरवरी को घड़साना थाने में बेटे की हत्या का मामला दर्ज करवाया था। घड़साना थाना पुलिस ने आरोपी पत्नी इंद्रा देवी (30) और उसके प्रेमी प्रभुदयाल (33) पुत्र सुरजाराम को गिरफ्तार कर लिया है। हत्या में प्रभुदयाल का साथ देने वाले नाबालिग को भी डिटेन किया है।

- हत्या में आरोपी प्रभुदयाल का साथ देने वाले नाबालिग को भी डिटेन किया
- हत्या के बाद शव और बाइक को 15 किलोमीटर दूर इंदिरा गांधी नहर में फेंक दिया था

मामले का खुलासा करते हुए एसपी अमृता दुहन ने बताया कि भजनलाल की हत्या 16 जनवरी को इंद्रा देवी ने प्रेमी प्रभुदयाल और 15 वर्षीय नाबालिग के साथ मिलकर की थी। पुलिस के अनुसार, भजनलाल घड़साना के गांव 4 जेडडब्ल्यूएम में पत्नी इंद्रा और दो बच्चों के साथ रहता था। वह गांव में ही फर्नीचर का काम करता था। इंद्रा का गांव के ही प्रभुदयाल के साथ काफी समय से प्रेम प्रसंग चल रहा था। प्रभुदयाल मजदूरी करता है।

दोनों के प्रेम प्रसंग में भजनलाल रोड़ा बनने लगा तो दोनों ने भजनलाल को रास्ते से हटाने का निर्णय लिया। एसपी अमृता दुहन ने बताया कि इंद्रा और प्रभुदयाल ने भजनलाल को मारने की साजिश रच ली थी। 16 जनवरी को जब भजनलाल बाइक से घड़साना आ रहा था। प्रभुदयाल ने अपने साथ काम करने वाले 15 वर्षीय नाबालिग के साथ मिलकर गांव के बाहर भजनलाल को रुकवाया। उसने उसके सिर पर लाठियों से हमला कर दिया। लाठियों से हमला करने के बाद दोनों ने मिलकर भजनलाल का रस्सी से गला घोंट दिया। एसपी अमृता दुल्हन ने बताया कि प्रभुदयाल ने इंद्रा को साजिश को अंजाम देने की बात कही तो दोनों ने शव को ठिकाने लगाने का निर्णय लिया। प्रभुदयाल और नाबालिग भजनलाल को मरा हुआ समझकर उसी की बाइक पर बीच में बैठाकर घड़साना से करीब 15 किलोमीटर दूर नहर में फेंकने के लिए ले गए। नहर के पास पहुंचे तो भजनलाल को अचानक होश आ गया। इसके बाद प्रभुदयाल ने नाबालिग के साथ मिलकर ईंट से उसके सिर पर जोरदार वार कर दिए, जिससे उसकी मौत हो गई। एसपी ने बताया कि प्रभुदयाल ने नाबालिग के साथ मिलकर शव और उसकी बाइक को नहर में फेंक दिया। उसके बाद सबूत भी मिटाने के प्रयास किए। घटना को अंजाम देने के बाद प्रभुदयाल नाबालिग के साथ वापस गांव आ गया। एसपी ने बताया कि भजनलाल का शव नहर में बहकर करीब 270 किमी दूर चला गया था। 2 फरवरी को फलोदी जिले की नोखा पुलिस को नहर में एक व्यक्ति का शव मिला। नोखा पुलिस को कार्रवाई के दौरान पता लगा कि यह शव घड़साना के गांव 4 जेडडब्ल्यूएम के भजनलाल का है।

एसपी ने बताया कि मामले की जांच के लिए विशेष टीम का गठन किया गया। एसएचओ देवीलाल सहारण ने बताया कि पुलिस टीम ने हर एंगल से जांच की। जांच के दौरान भजनलाल की पत्नी इंद्रा पर शक हुआ। जब इंद्रा के फोन की कॉल डिटेल निकाली गई तो इंद्रा की भूमिका संदिग्ध लगी। पुलिस ने इंद्रा को गिरफ्तार किया। पूछताछ में प्रभुदयाल का पता चला। इसके बाद सोमवार को प्रभुदयाल को गिरफ्तार कर लिया।

वारदातों का खुलासा

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर ग्रामीण पुलिस ने ब्लाइंड मर्डर, लूट, चोरी एवं नकबजनी के कई मामलों का खुलासा किया है। विभिन्न थाना क्षेत्रों में त्वरित कार्रवाई करते हुए कई आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि कुछ मामलों में गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं। ग्रामीण एसपी नारायण टोगस ने बताया कि पुलिस थाना चामू में ग्राम चैराई में वृद्ध महिला की हत्या व लूट के मामले में आरोपी को गिरफ्तार किया गया। भोपालगढ़ कस्बे में बुजुर्ग महिला की हत्या का प्रकरण 48 घंटे में ट्रेस कर नाबालिग को पकड़ा गया। बिलाड़ा के उचियारड़ा बेरा में चांदी व्यवसायी कैलाश माली की हत्या व 12.290 किलो चांदी लूट मामले का 24 घंटे में खुलासा कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। देवातड़ा गांव में दिनदहाड़े हत्या व लूट का मामला भी 24 घंटे में सुलझाया गया। वहीं चोरी के मामलों में शेरगढ़ थाना क्षेत्र में सक्रिय अंतरराज्यीय बाछड़ा गैंग के पांच सदस्य पकड़े गए। रायंसर में बिजली तार चोरी, पीपाड़ शहर में मंदिर चोरी और अन्य वारदातों में भी आरोपियों की गिरफ्तारी हुई।

झुंझुनूं में मेडिकल कॉलेज विवाद गहराया, चिकित्सकों ने काली पट्टी बांध प्रदर्शन किया

झुंझुनूं, (निसं)। राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय (जीएमसी) में चल रहा विवाद अब और तेज हो गया है। एक ओर जिलेभर के सेवारत चिकित्सकों ने काली पट्टी बांधकर विरोध-प्रदर्शन किया, वहीं दूसरी ओर एमबीबीएस छात्रों ने भी कक्षाओं का बहिष्कार कर धरना शुरू कर दिया। अरिसदा झुंझुनूं के आव्हानन पर छह सेवारत चिकित्सकों के पदनाम विलोपन के विरोध में जिलेभर के चिकित्सकों ने काली पट्टी बांधकर विरोध जताया।

- चिकित्सकों का आरोप है कि जीएमसी प्रधानाचार्य डॉ. राकेश साबू द्वारा तानाशाही एवं बर्बरतापूर्ण रवैया अपनाया गया है, जिससे चिकित्सक वर्ग आहत है

जानकारी के अनुसार राजकीय बीडीके अस्पताल में सेवारत चिकित्सकों ने मुख्यद्वार पर काली पट्टी बांधकर नारेबाजी की। चिकित्सकों का आरोप है कि जीएमसी प्रधानाचार्य डॉ. राकेश साबू द्वारा तानाशाही एवं बर्बरतापूर्ण रवैया अपनाया गया है, जिससे चिकित्सक वर्ग आहत है। पदनामित चिकित्सक कॉलेज की शुरुआत से बिना किसी अतिरिक्त मानदेय के शिक्षण सेवाएं दे रहे थे। राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग दिल्ली को ज्ञापन भेजकर पदनामित चिकित्सकों की बहाली तथा प्रधानाचार्य पर अनुशासनात्मक कार्रवाई कर पद से हटाने की मांग की गई है। चिकित्सकों का कहना है कि राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग की गाइडलाइन एवं राजस्थान सरकार के निर्देशानुसार पदनामित किया गया था। एनएमसी की टेक-25 के तहत समायोजन की प्रक्रिया अपनाई जा रही है। पद विलोपन के लिए आयोग और राज्य सरकार की अनुमति आवश्यक है। बिना सक्षम स्तर की अनुमति के पदनाम विलोपन से छह चिकित्सक अपमानित महसूस कर रहे हैं।

अरिसदा प्रवक्ता डॉ. विजय झाझड़िया ने कहा कि जब तक प्रधानाचार्य पर कार्रवाई नहीं होती और उन्हें पद से नहीं हटाया जाता, आंदोलन जारी रहेगा। मांगें नहीं माने जाने पर प्रदेशव्यापी आंदोलन की चेतावनी दी गई है। अरिसदा अध्यक्ष डॉ. एसए जब्बार ने बताया कि आगे भी जिलेभर के अस्पतालों में काली पट्टी बांधकर विरोध जारी रहेगा। प्रदर्शन में डॉ. राजेन्द्र ढाका, डॉ. शीशराम गोठवाल, डॉ. पुष्पा रावत, डॉ. राजेन्द्र पायल, डॉ. जगदेव सिंह, डॉ. मधु तंवर, डॉ. आकांक्षा, डॉ. मनीषा चौधरी, डॉ. श्वेता, डॉ. दीपक देवठिया, डॉ. सपना झाझड़िया, डॉ. राहुल सोनी, डॉ. गौरव बूरी, डॉ. ईकराज अहमद, डॉ. दुष्यंत बसेरा, डॉ. प्रियंका कस्वां, डॉ. सुरेश मील, डॉ. नेमीचंद, डॉ. संदीप नेमीवाल, डॉ. प्रमोद तेतरवाल, डॉ. प्यारेलाल भालोठिया, डॉ. अरविंद जाखड़, डॉ. नवीन, डॉ. कपूर थालौर, डॉ. पूनम चौधरी सहित अनेक चिकित्सक शामिल रहे। मलसीसर में डॉ. सतवीर और डॉ. अशोक सैनी समेत चिकित्सकों ने भी काली पट्टी बांधकर विरोध किया।

सोमवार को एमबीबीएस बैच 2024 और 2025 के छात्रों ने भी कक्षाओं का बहिष्कार कर धरना शुरू कर दिया और अपनी मांगों को लेकर प्रधानाचार्य को ज्ञापन सौंपा। छात्रों का कहना है कि फार्माकोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी और पैथोलॉजी की प्रयोगशालाएं पूर्ण रूप से कार्यशील नहीं हैं तथा योग्य लैब तकनीशियनों की कमी है, जिससे प्रायोगिक शिक्षा प्रभावित हो रही है। छात्र राहुल शर्मा ने बताया कि क्लिनिकल एक्सपोजर के लिए बस सुविधा का आश्वासन दो-तीन माह पहले दिया गया था, लेकिन अब तक कोई व्यवस्था नहीं हुई। उन्होंने कहा कि पांच बार आवेदन देने के बावजूद सुनवाई नहीं हुई। छात्र अक्षय ने आरोप लगाया कि सेकेंड ईयर की लैब्स फंक्शनल नहीं हैं, खेल एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों के लिए लगभग 50 लाख रुपये के बजट के बावजूद सुविधाएं नहीं मिल रहीं। प्रत्येक छात्र से करीब 18 हजार रुपये स्पोर्ट्स फीस ली जा रही है, लेकिन उसका उपयोग नजर नहीं आता।

छात्रों ने बताया कि हॉस्टल में लंबे समय तक टेबल-चेयर नहीं थे, छात्र गद्दे बिछाकर जमीन पर सोने को मजबूर थे। परिसर में खुले गड्ढे और अपर्याप्त प्रकाश व्यवस्था से सुरक्षा को खतरा बताया गया। इसके अलावा परिवहन सुविधा, मेस व्यवस्था, आपातकालीन चिकित्सा सहायता, बैकअप बिजली और स्वच्छता संबंधी समस्याएं भी उठाई गईं।

चिकित्सकों और छात्रों का आरोप है कि लंबे समय से समस्याएं उठाई जा रही हैं। लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। पूरे मामले में कॉलेज प्रधानाचार्य की ओर से अब तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। फिलहाल कॉलेज को लेकर माहौल तनावपूर्ण बना हुआ है।

जैसलमेर : रिहायशी इलाकों में व्यावसायिक अतिक्रमण से आक्रोश

उन गलियों और क्षेत्रों में भी व्यावसायिक गतिविधियों की अनुमति दी जा रही है, जो आवासीय श्रेणी में आते हैं

जैसलमेर, (नि.सं.)। स्वर्ण नगरी जैसलमेर में इन दिनों नगर परिषद के फैसलों को लेकर स्थानीय निवासियों में गहरा रोष व्याप्त है। आरोप है कि नगर परिषद आयुक्त द्वारा रिहायशी क्षेत्रों में नियमों को ताक पर रखकर घरेलू से व्यावसायिक रूपांतरण (कन्वर्जन) की अनुमति दी जा रही है। इससे न केवल शहर का मास्टर प्लान प्रभावित हो रहा है, बल्कि शांत इलाकों में रहने वाले आम नागरिक मानसिक और भौतिक रूप से परेशान हो रहे हैं।

- आरोप है कि नगर परिषद आयुक्त द्वारा रिहायशी क्षेत्रों में नियमों को ताक पर रखकर घरेलू से व्यावसायिक रूपांतरण (कन्वर्जन) की अनुमति दी जा रही है
- इससे न केवल शहर का मास्टर प्लान प्रभावित हो रहा है, बल्कि शांत इलाकों में रहने वाले आम नागरिक मानसिक और भौतिक रूप से परेशान हो रहे हैं

स्थानीय निवासियों का कहना है कि नगर परिषद द्वारा उन गलियों और क्षेत्रों में भी व्यावसायिक गतिविधियों की अनुमति दी जा रही है, जो पूरी तरह से आवासीय श्रेणी में आते हैं। नियमों के अनुसार, किसी भी आवासीय भूखंड को व्यावसायिक में बदलने के लिए सख्त मापदंडों का पालन करना अनिवार्य है, जिसमें सड़क की चौड़ाई, पार्किंग की व्यवस्था और आसपास के निवासियों की सहमति जैसे बिंदु शामिल हैं। राजस्थान नगरपालिका अधिनियम, 2009 और राजस्थान नगरीय क्षेत्र भू-उपयोग परिवर्तन नियम, 2010 के तहत, रिहायशी इलाकों में ऐसी किसी भी गतिविधि को अनुमति नहीं दी जा सकती जो सार्वजनिक शांति में खलल डाले या प्रदूषण फैलाए। आवासीय क्षेत्रों में बैंक्वेट हॉल, भारी गोदाम या शोर मचाने वाली कार्यशालाएं पूरी तरह प्रतिबंधित हैं।

वरिष्ट नागरीक नरेंद्र कुमार ने बताया कि रिहायशी क्षेत्र में व्यापारिक गतिविधियों के कारण ट्रैफिक जाम, पार्किंग की समस्या और देर रात तक शोर-शराबा होने पर रहवासियों को परेशानी हो रही है।